

६७ नमाला के नाथाया ॥ उत्या नया क था हाया ॥ मा न वा नाहि
गा थाया ॥ माला द वीमाहा कृया ॥ श्रीला क श्वल ४ काया न नय
या न गल स विष्ठा दा व नम ॥ ना ना द वी न द दा ॥ माला द वी श्री
ला क श्वल याम न दा कृ सि ॥ माला द वी म हा कृ त्या व न कृ स म
सु ला क या न हे न या य लि मि लि न ॥ श्रीला क श्वल न ना ना द
वी क दा ख ॥ ॥ उत्या न या ल द न रि द यी म लि द यी थ (थ ध
की श्रीला क श्वल न न जा ला द य क वी ॥ श च्छि ना ना द वी ऊ न क ॥

न ६ दू न्य धर्क धली ॥ उ न्या न इ यि ब यू च्च ज न्म स या य या दाना
थ ज न्म स उ न्या न इ ली ॥ ध या य भा च क या न उ या य च्च ध ल सा
। भान्ति क र्मे या दान भा यि वा ध (थ ध र्क श्री ला क श्व न न द्वा दा
ष ॥ १ ॥ कृष्ण विम्ब धृजा दिनी वाद्यु य व ग य न क चि ग व न स्य
नि य व (ग न ॥ स्वामि मृ ल् व न्म र्ग र्मा स स य ४ य दि भान्ति क
ल य ७ । म हा व लि वि य य च्च ल दा या ० या य क न स यू जा या य
रू मि दान वि य लू दान वि य र्म द र्ग ज न क थू नि न सा नि र्श

यिब॥२॥दिनसमलकशकया नामनषानसकावयाधति
शकथायसमरिद॥नानाउयदनशयूबकुरुममायूबधः
यासान्नि॥दवयूजायायया०यायजहूयायवलिवियदान
वियगनमधुलदयकाबसूवर्द्धदानवियलूनति१०वियः
संघराजनकधतिनसान्निशयूब॥३॥तुधिसनानागदन
लेखसलदयूबहिनिमहोरियबलेखसूकावबनिब॥धयारु
लखामिमृत्पुथबजनवन्नासयधनयायिदगारुया॥धय

सान्नि जलजह्नुयाय कू न १ हामनदानविय कूल १ चाकूदाः
नवियधननैदोविय लूननि १० गर्ह धून्य जाचार्यया न दा
नविययूजायाय धनिनसान्नि रुयिबा ॥ ७ ॥ च्छु समिमदल्य
कूबबया सयानिदाबयानानाऊ गुबबया धया हल नाना
गोगी कयिब म्चामिमृ त्पु रुयि दा ना दा द रुय मि रुय विर्व
द रुय जि दून द्वा सान्नि याय माल जनु च्छु ब न डा द्वा डा हा
न द्वा दा वदानविय न व ग्रह पूजायाय वलि विय जह्नुयाय

कृष्णया लदयात् ज्ञाचार्यं हि दूराज न क धनि न सान्नि
इयि व ॥ ४ ॥ कृष्णं रुटि त्वाय ध्याय रूल म हा कल ह दयू र्वा
वि न क न सा क न ग म त् य ध्या सान्नि खू नान द्वा या य माल
नि र्क स नान या य हाम या य उा हान रु नि आ दा व दान वि य
वा द्म व सी घ रू अ न क धनि न सान्नि इय व ॥ ५ ॥ कृष्णं वि दू
हा व यि व ज्ञा का स न कू नि द व यि व ध्या रूल स्या मि ना स इ
यू व ज् ध वा ध न ना स इ यि व व ध् मि ण ना स दा ना ना रु यः

क्रसक्र नहायायमाल सनानयायमलुलाग्निजहूयायग्रह
मलुलचास्यैयच३ नक्राविधनयाय॥ गिकरु गिरुना गिमधू
गिनवैरु ल्यचाकुलसिनहामयाय॥ ॐ ॥ सयविदि। सयसा
के। खक्रा क्रसस नवययवा ३२ कल्यग्न दायकै नयमसमान्सन
धिनमयदूदू सयैचाद धायसउच्चि नवलिवियै केसयाग
सधलनयावडाहानचन्दविम्वधस्यै नयसिजलयागसचाः
क्रनयावलूनगि १० सूर्यधस्यै नयददनालूनदयकाववि

या॥ श्रवया न हि दूया न ज्ञा चार्थया न दान विय॥ धनि न सा
न रुयूव॥ १॥ चिच्छु मान खदाया धया रुलम हि दू नाना रु
यद यि व नाना सा क रुयूव क नान व वाय मा लि व धया साः
नि महा वलि विय लू गद् धून गुण या ए सि ऊ न न श्र द वः
दान विय॥ ज्ञा चार्थया न धनि न सा नि रुयूव॥ ८॥ शिव चान
धान द्भू क या थ न दू व खदायी धया रुल द स्व न सा दाम न न
नारु यि स्व न सा महा रु य रुयू महा ना ग द यू क गु म्ब ना स रु

युत्वय ३ रुय ध्यासान्नि कुन २ उा किन जा धूया बध जान सि
चा श्रय शान वलिया न ३ २ दाय वै का ब सि चा यू जा याय धून
का ब द्वा न या न था न स बा य य रु दान वि य सि ज ल या ण स
ग्य न द्वा क ग्य न ३ २ ग या ब लू ग ई थू दा ब नै दा वि य ज्ञा चा
यो रा जन क सी घ न क ध नि न सा न्नि रु य व ॥ २ ॥ अ न्न या ण जाः
सि गा न रु व या भा पि या ण ली ख ग य द्वा द्वा ण या न या ण धे र ध
ना ना य न ध नि रु द्वा रु व या रु न स्वा मि सि री रु व द्वा स द भा

रुयस्व नानद्वा इयैरु बध्यासान्नि नूनति १० दानवियः
रिदु जाचार्यो राजनक धनिनसान्नि इयुवा १०॥ नानाद
बलसैजादिनयव्वनदायु च्छुगुयुव च्छुगुक्कतिनिवग्गइन
क्कतिनिवक्कल्लगुगुवा निवग्गिनिवायिबमनकइकावद
वयारुस्यनिवधधेइवयादसयानायकया रुयमरिद
वहिनिइनमीविहालसइनमीधलयायामरिद च्छुसइनः
साच्चुधुल्लयामरिद धयारुल्लमहनेरुयमिरुयनाडिकरु

य धनमायु द्वाद द्वासद रुयदयु धयासानि सु धऊरुयाः
य धान चि ओ द्वा नि विरय य क ल द्वा या ० या य सा दान विरय रु
मि दान विरय लू दान विरय ध नि दान विरय ॥ रु ग्रे रु वय दा ग
थ का द्वा दि समे सु वा हि नी स धाय सम सु द वयु ऊ चाय ना
गि स नी स थि ५४ वलि विरय मि ता दि ग न च क गि त ज्ञा चा य
यू जा याय ध नि न सा नि रु यू व ॥ ११ ॥ ना ना द व या थ य स द्वा
द नि द व व या ध या रु ल ख द द्वा याम हि द नि य रु व ध या

सान्निभैसाद्रुमिऊरुयायमाल् कामानिमचायूजायाय देव
यूजायाय दिगवलिय चालरा ७ धनिनसान्निभैरुयूवा ॥ १२ ॥
गमच्चिनीलूडाहा धातु रुनमानिक ज्ञादिन नानावत्त नदर्य
यूनयूवया धयाहलमहिद स्वामिया कनातसियूडा नाडा
दगारुय धयासान्नि कल्य गायूजायाय देव नायातवलिः
विय नागायूजा ग्रीखलु नकचन्य नलू कायनवमुदानवि
यज धासकि धं देयूजायाय धनिनसान्निभैरुयूवा ॥ १३ ॥ जूक

स्मात्तनरुमिर्कयमवल्लुक्थश्च प्रयत्नेन थश्च न दवयासिः
लक्ष्म्यायासि न ग्लिवर्तिर्गन्धितिक्रानिदखदाया रुलम्बामि
मृत्युसदीरुयकनहधयासान्निक्क्रानिदथासज्जुयायः
(गमदानवियरुमिदानलूदानविययक्कलकाया ० वलिवि
येरुजनकधनिनसान्निक्कशयूव ॥ १७ ॥ थवसालिनयाकया
सिमायाकया दवचयाकया धनिमखदाया धया रुलः
कनानमृत्युज्जसास्वामिमृत्युधयासान्निक्कज्ञानक्षामान

मलुलदयके कल नयूजा चारय पु १० ग्रं सि जलया नुदयर्क
बज्जु दगयू र्क थदा वसू वरु गइ थदा वरि दू ज्ञाचार्यया
नदानविय ज्ञे न्नदानं कुर्यात् ७ धनि नसानि इयू व ॥ १८ ॥ क
वास वस यथा वसुस्थाना आदिनं च्छु इ न सीम वु बया धया ह
ल कना न मृत्यु धन नास धया सानि वृ नान द्वायाय मानति
धं स भान कल्य सयू जा धान सवलि वियेय धास कि ॥ १५ ॥ ७
दानविय गन चक्र कुर्यात् ७ ॥ धनि नसानि इयू व ॥ १८ ॥ धव

सुसदा कृतिद ववया धयारुल दच्चिन स्यामि मृ एशयूवः
धयासी निमान्माद्रु निज रुयायमाल द्रुगयाल वलि विय
गुलुयाग सडा हा गद्द थदा वदान विय लूयाद दना वियः
गदा चकु कृया ७ धनि नसानि रुयूव ॥ ११ ॥ अक स्मा एन च्छ
नीम रुव च्छ दूकया धयारुल गृहये निमनन धयासा निह
मयाय अद्रु न द्वा द्रु हामन रूयू काय का वृदि न खयन सि
वे कं क सिधन धनि न रुयाय अद्रु निज रुयाया ० याः

यद्गुणया लवलि दद्यात् ॥ कृद् कया चा ज्ञत् सि काया व वा
य क न क्षाय क न च्छि १ धने नृ ग ई धू न्य क न च्छि १ गुण या गु
लू ग ई धू न्य आ चार्य या न दान वि य कामा नि मा चा यू जा या
य ग ष च क क र्या ७ ध नि न सा नि रु यू वा ॥ १८ ॥ च न्द्र मा सूर्य
ना ना ग ष या न ग ढ ख दा या ध या रु ल म हा मा नि रु य दू रि
क रु य स्वा मि म न न ध या सी नि द च्छि न द्वा या य मा ल य च्छ
दा या ० या य य १३ (ग न र्क सि ज न या या गु द य का व हा कू ह

मलद्यन्ननवात्रावयुर्लूयादं धन्यमृतिगर्ह धन्यसूवर्ह चा
युधिष्ठायादावदानवियमहावलिविय देवसर्वे वलिविः
यज्जन्तदानीचकात्रयत्त धनित्यौनसी निरुयुवा १९॥ जहू
यात्रमिसिचूवसिमयूवेद्यानमयूवनानासद्यदयूवधयारु
लज्जमानसिचूवद्रुसदगा रुयधयोसी निरु नैरु रुयाय
कासयागसद्यत्तयूर्लूयादावन्नति १०३॥ हानचन्द्र विवाध
यावदानवियग्नचक्रयूयौत्त धनित्यासान्निरुयुवा २०॥

नानादवसकस्यसत्त्वानसहस्ररुग्निनायादार्थं हि च्छाया न
हि मण्डस्ये विडायिव ध्वयारु लस्वामिमृत्त्यु ध्वयासी निदव
यूजायाय ग्वरु मिदानसर्वर्तु दानविय आचार्ययूजायाय
ध्वगिनसानि इयुवा ॥ २१ ॥ अकस्मात्तु न किं सिंहाससा मसत्त्वा
नस रुसि च्छु गुडनेसी चल धनन प्रायमइस्ये सिरिय व यया
रु न कला न मृत्त्यु स्वामिमृत्त्यु वर्षे २ मास २ मरुद ध्वय सी नि
चु सि न वडा हान आ दा व दान विय मीस १० अथ वान

हिं दुःखाचार्या न दानविययुजायाय धनिनसी निरुयुव
॥ २२ ॥ अकस्मात् न सूर्य कनिष्ठ वन नाने सिनसा झसुनसी
धयारु ल्हादा नोरुय धयासान्नि नन्निन द्वायायमाल ऊल्ल
याय सिज न पु २ ग धनिन गाना वझा दाव हामन युद्ध धं दाव
लून नि १० ग ई धून्य काय न कु २ × कायु याव दान विययति
होयायमान अद्यादि महादाने य च न द्वाया ० याय चिक्क न
रुस्य दायै न विय अचार्याया न सीध रुर्ध्व वा ॥ धनिनसी निः

इयूव॥२३॥ वृस क्व वास यूसाय दावम वृसीम्य ना वृवयाः
धया रुलघ नया स्वा मिमृत्य धया सी नि न्य नान द्वायायमाः
नमान्साद् निज रुयायमा न्द्वग धानस वलिविय कन्माया
उसष्ट नयू र्धूया दावय धास कि भा ह न ग र्द धून्य आचार्य
या न दान विय सेंघ रुर्ध्व कूर्या न्ध निन सी नि इयूव॥२४॥
क्व खन धि वया दा कया क्वा क्वाया केया धया रुल ज्वा कान मृत्य
धया सी नि नि र्धस क्वा भर्त्त नज रुयाय धान सक् वलिविय ना

गयूजायाय स्वा न वलिया न २ द्दुस विय दान विय केसः
याव स य २ दाल थदा व सू व धे न च न्य मा धया व दान विय न
न न सानि ॥ २८ ॥ यद्म साखाया न न म्दि का विहि न न द स्या व
ध या रु ल स्वा मि म् ए श य व स्व क द य ध या सी निं स्व नान द्हा
या य मा न ऊ रु ऊ या य जा द्दु नि दाल च्छि से ध्या न मा न दू द्दु रा
ऊ से ना ख या द न न क ध नि न सानि श य व ॥ २९ ॥ यू जा या द
न या ख ऊ रु ठ वू ल या ध या रु ल रु कान जि व ति च लु म्म स

रुयदय कना नयास्वक थयासानि सुफुवा नयाया ०या
यदु गी चन खर्ज झा दा व नानय नाय वाय का व सा ध कि
आ न दान विच ल दान विच धूति न सी नि रुयु वा ॥ २ ॥ द
ब न स द्य ६६ क न स ल थ स नाना द ब या छ स कर व या छ द
य क न सा य न च क या रुय थ व छ स द य क ल सा यू वे दि ग स
श न सा के न रु रुयु ज्ञा ॥ ५ ॥ कान स श न सा रुय द य द द्दि न स
श न सा स न न रुयु नै ॥ ६ ॥ स श न सा द्या न रुयु य न्नि म स श न

सा कुरु वनास वायु वासः नसा यूगनास उरु नसः नसा
धननास ॐ सो नसः नसा ज्ञय महाद ४ रेवस धस ज्ञका
नमः ॐ धयासानि य ३ सिज ननया ग दय क धनयू ह्या
दाबडा हानक खयास्वदय काबमलुलदय केमधसध
यनाया दाबयू जायाय गाय काया नन चयावदानवियः
नदानविय केयस यूजायाय य कृ ग न्ध ॐ यूका धूप धन्य
कखया कृस् खर्जने कृ दनाया दाबा बयाय मिन उदाबाव

या कल्यसर्गं स्थाय प्रदाल न नैव द्य वा ५ ३ यलिमान उलि
नसिज न रुधुं काय क ऊ ऊ मानस्य मनस्य था दा वस्मानया
य ध्व के रवया ध्व वलिस न या व व न स बा दं ता १ थ यू न रु ऊ
य न ॥ ७ न सानि ॥ २८ ॥ ध्व सह यि व व या न वि ब व या ध्व या
रु ले मि मि रु ध्व च मृ ग रु दान जि व नि ध्व या सी नि रु ऊ
या य च न्य वि म्व ल दान वि य व लि वि य यू जा या य रु ऊ न
क ध्व न न सी नि रु यू व ॥ २९ ॥ थ व ध्व स कि न स स न व व या

ध्यायारुलसत्रतावद्वमृत् ११ ध्यासीनि सादानवियसिज
नयागुय १० यमाननदय कावझादुहामलझादुआदुग
युर्धुधंदावलत्रगि १२ गर्हधुंदावदानविय कोऊनक
धानिनसीनि इयुव ॥ ३० ॥ दवत्रस दवयाथायस कसिय
कादयव जलिदयव ध्यारुल दवयात्वात्रस धानयाना
यकद्वसियुव ध्यासीनि वृद्धं द्यायमाल उरुयाय रुई
याय धानिनसीनि इयुव ॥ ३१ ॥ ग्वच्चिनीचुस चुनीमद नहि

रु नि चाद व नि ब ध या रु ल गु द न च्छ या ना य क द्वा सि थि व
ध या सा नि ग न हि रु नि चा न जू न या व व लि स न या व न र व
स वा ग क य च्छा य ध न नि क ल्य ग न्य ग्व उ द य का व यू जा याः
य ध न लि म व ना चा का या व ध या न स यू र्त्वा द न ध न्य रुः
मि दान वि य उा हा न च्छा दा व दान वि य द द न वि य सी घः
रा ज न क थू ति ने सा नि रु य व ॥ ३२ ॥ थ व स नि न या रा ज आ
नि म र व नि ब ध या रु ल द्वा स नान सि थि व ध या सी नि क न स

युजायाय सिञ्ज न दान विय भा न दान विय मरु रासा मत्स्य
इ का विय ध वर दान धृच्छि धन का व द्ध स क न दान दान व
य धृत्ति न सानि ॥ ३३ ॥ ग्वच्छि नैच्छ स सूर्य या न द स्य चाद रव
निव ग्वच्छि नै सूर्य सि दं चाद रव निव धया रु ल द्ध स ना नाम्ना
यमद धया सी नि द्ध या या धं गी मया उ स हाम ल यू र्ध न थ द
व दान विय हाम याय वलि विय धृत्ति न सानि इ यू व ॥ ३७ ॥
ग्वच्छि या धृ स कि सि गाल सा म्य स च्छु इ न सी उ नु या स लि न या

सारखा सिलयाद क्रीयुत मिरवाङ्क सयन नाहान गुति च्छु वमु
श नसी च्छु सदयुव धयारु लवद या ज न न सस्वामि मृ प्र श
युव धया सीति ऊरु याय नै वर्यै य वा १२ नय य वृ काद विद्र
द ना हि स्वधि ध धति ना वमु व्यागल व्यागन नय धू या दा व
भान स बाय उ हान च्छु न न उ आ दा व दान विय ज न्न दान वि
य धू गिन सानि ॥ ३८ ॥ थ व च्छु सदा का गि द व व या धयारु न
मृ प्र श युव न्य द न ह्या धया सानि धन दू दू थ दा व क न गः

ननु वध्यासान्नि जाति स व ल्या च न धानि न ही नि शू य व ॥ ७८ ॥
 अष्टि नै म नू द या मि ज न यी मि सा यी भो ज ७ ना हा न च्छ गान र व
 ने व ध्या रु न न द न द्वा व न न या य व ध या सी नि हि न न य ५
 न दि य व लि वि य ह्म म या य ३ की स न या उ द य का व दू द ध द
 ५ व दू वि नू स हि न न मू नि ग र्ह ध न्य दान वि य ध र्म म द य ७
 या च क ठा सा दान ति य ध नि न सा नि शू य व ॥ ७९ ॥ व न या ज
 ७ स द स म दू हा व व या ध या रु ल स्वा मि मृ त् य ध या सा नि ३

[illegible]

३ ल्यास यूजा कुरु सजागि नियाग यूजा यांय सादान विचर्क स
पोय सध न गया ब वृज गर्ह थ दाव दो न विच क क्वाय व मु लूद
दो ना विच धन न सी निरु यूव ॥७४॥ ॥ ॥ समूति मान यू न माल ज
यमान क्क नय दया धया रु ल न्य द न व न्ध या यू व ध या सी नि
दान विच व ति विच लू दान विच आचार्य या न यू जा या य ध नि
न सी नि ॥७५॥ ॥ ॥ सक के वि व्या द दू हा ब ब या स या नि दा ब या व
मू से दा व या ध या रु रु ल स्वा मि मृ ल ध या सा नि च उ स थि ॥७६॥

वलि वियसूर्वेर्लूनडाडा गुनिष्ठादावदान वियद्दूधनदा
न वियद्दूधनराजनक आचार्यरुक् नभनसीनि ॥७॥
दान वियावमु कायाव्यनस नाहानिसमनासी वसेवनिबध्
दवज्जस्सीभाषध्याहलज्जमानयायुग रायामृत्युध्याः
सान्नि सादान वियरु मिदान वियलूदान वियराजनक ॥
धभनसीनि ॥७॥ च्च वमुज्ञनसीषस्ययदयागदयाध्याह
नमहिद ज्जमर्गलज्ञयेव ध्याच्च वमुननडावमुदान वियः

ॐ सुदवतायूजायाय सुवृक्षसूयूजायाय धर्मनर्मान्नि॥७॥
(गम) मनुष्याया च न न व मि न न व व सु न निया ब इ यु व धया
सदी ज्मै गै न ध व सु ची दा न या न दा न वियमा न॥८॥ ध वः
स नि न स नाना ग द द य व धया रु न च सा या न स ग द द न सा म्
ए नू ग न स दू ४ ख ना रि स दू ४ ख यि दा या ६ स ऊ य ना हा न स
व न्ध न ध या सी नि य १० सि ज न न यि लु या ण द य का व अ क न
यू र्ण या दा व लू च कि द द्वा या व रि दू या न दा न विय था य वि

स्य खनय च न द्वाया ० याय दुवानदय के मधुल चाया बचतु
दि गरीषि समाधिकर्मया यमहावलिवियमानकावलिविय
रुजसह धननसानिकुरुयूव ॥ ४१ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नाक ॥ निजाक ॥ आथक ॥ र्यचि ॥ वधि ॥ सफमि ॥ जस्मि ॥ नवमि ॥
दग्नि ॥ उकादग्नि ॥ दादग्नि ॥ तथादग्नि ॥ चतुर्दग्नि ॥ यूष्मासि ॥
॥ अमावाग्नि ॥ ॥ तिथी ॥ ॥ अग्न्यानी रुनदी कलि को नाहिः
ही मृगानि नाग्र्यायूनवेसू यूषा अस्रव मघ पूर्वरा रुधा

उरुहोमुहसुचीग्रास्वानि विहाय नूननाद इवमूल
यूवीरवाउउगारवाउ अवल धनूय मगरुषयूवैरुड उगुरु
द नवति नक्षत्र ॥ ३॥ ॥ विक्रि ॥ यीति ॥ आयुषमाना ॥ सोराग्य
महना ॥ अतिगन्ध ॥ शुक्रम ॥ वृत्ति ॥ सूल ॥ गन्ध ॥ वृषि ॥ क्रव ॥
वाद्यानहै ॥ हर्वद ॥ वज ॥ मूषि ॥ वानियात ॥ वनियान ॥ यनिद्य ॥
मिव ॥ सिद्धि ॥ साध ॥ गुरु ॥ शुक्र ॥ वद ॥ नुद्धि ॥ वेधति ॥ ॥
१२ म्विनीया ॥ मर्वाहान ॥ देवजात ॥ गुर्वअसत्वा ॥ ॥ १२ नदी

या॥यत वा हानमनूषजातगजसत्व॥ ॥१कृत्तिकाया॥अग्नि
कृष्टुवाहाननाक्षसजातच्छागसत्व॥ ॥२आहिनीया॥रुनविर्भ
वाहान॥मनूषजातनागसत्व॥ ॥३मृगशिराया॥चत्रवाहान
नर्देवजातनागसत्व॥ ॥४आर्द्राया॥विवाहानमनूषजा
तगन्धनसत्व॥ ॥५पूर्वाषाढ्या॥ययवाहानर्देवजातमाङ्ग
लसत्व॥ ॥६पूर्वाषाढ्या॥कनसवाहानर्देवजातच्छागनसत्व॥
॥ ॥७अश्लेषा॥कखवाहान॥नाक्षत्रिजातमाङ्गलसत्व॥ ॥

मद्यया॥भस्वाहान्नाक्षजान्कृत्यसत्त्व॥ ॥यूर्ध्वरूपागुह्याया॥
भाहावाहान्मनूषजान्कृत्यासत्त्व॥ ॥१३॥रूपागुह्याया॥सि
त्तावाहान्मानूषजान्भस्मसत्त्व॥ ॥१४॥सुयया॥किसिवाहान्
देवजान्महिषसत्त्व॥ ॥१५॥विष्णवाया॥क्ष्मासखावाहान्देवजा
व्याघ्रसत्त्व॥ ॥१६॥स्वागिया॥द्विवाहान्देवजान्महिषसत्त्व
॥ ॥१७॥विसाखया॥रूप्तिवाहान्नाक्षजान्ब्याघ्रसत्त्व॥ ॥
॥१८॥जूननारया॥हंसवाहान्देवजान्नागसत्त्व॥ ॥१९॥क्षुया

॥ कायनवाहान्नादसजान्मृगसत्त्व ॥ ॥ १२ मूत्रया ॥ ॥ ६ नवाह
नन्नादसजान्गमनसत्त्व ॥ ॥ १३ पूर्व्याद्या ॥ ॥ ७ लावाहानमान्
वजान्मर्कटसत्त्व ॥ ॥ १४ रुद्राद्या ॥ ॥ ८ लावाहानमान्मूष
जान्गमसत्त्व ॥ ॥ १५ अवधया ॥ ॥ ९ ननवाहान्देवजानामर्कटस
त्त्व ॥ ॥ १६ धन्यथया ॥ ॥ १० वाग्रालवाहानन्नादसजान्सिंहसत्त्व ॥
॥ ११ नरिषया ॥ ॥ ११ सावाहानन्नादसजान्गुर्नगसत्त्व ॥ ॥ १२
वैरुद्रया ॥ ॥ कायनिवाहानमान्मूषजान्सिंहसत्त्व ॥ ॥ १३ रुद्र

दया॥ कृपति वाहान मानूषजाग (गमसत्त्व॥ ॥१॥ प्रवर्तिया॥ च
क वाहान देवजाग गमजसत्त्व॥ ॥२॥ भेषा॥ विषी॥ मिथून॥ कर्क
ट॥ सिंह॥ कन्या॥ तुला॥ विष्णु॥ धनू॥ मकर॥ कूर्म॥ मिन॥ लाजि
॥ ॥ अ॥ जगवन्क॥ विद्यासयिव सोराग्यवन्क दिद्यायू॥ ॥ रु॥ न
जरागी कृनहानि कनही सोराग्य विद्यानायू॥ ॥ क॥ नजीरुः
सग्य गमहील आनियरू दीद्यायू॥ ॥ न॥ सोराग्य यष्टिग गमही
कृति गमनिसूनरू॥ ॥ मृ॥ चनम चान रागरागी प्ररूग कानी

लक्ष्मीवन्तः॥ ॥ अ॥ शान्ताविड् जून्गी दुष्ट आसूखी॥ ॥
यू॥ रागीसूखी विद्यावादि कसू नागी गुत्रिन कामन॥ ॥ व्य॥ ध
नी गुलावन्तः सो राग्य कसू न धर्म कर्म॥ ॥ अ॥ धन धन्य रा
गीति विर्वेयी कसू नागी कसू न धर्म॥ ॥ म॥ यानूष वा क पू
लागी तीर्थ जागानय सर्वसंयलि सूखी॥ ॥ यू॥ नाज वा ने अस
वन्तः खलूयायी अल्यायू य ग्यसूखी॥ ॥ उ॥ नाज रागी नायः
नारु गुहानी सख्य धर्म वन्तः॥ ॥ ह॥ शान कर्म अमृता वाक्

नागीसत्यवचननाजयसहस्र॥ ॥ ची॥ चीला नाना मिल्यह
यनमुनिनगयष्टिगवाक्॥ ॥ स्वा॥ नजवनकुसहागी अल्याय
सूखीनाजसैयदलारु॥ ॥ वि॥ निगिसामुहसूखयाफसत्यवाः
दियहसवनदीघीयू॥ ॥ जू॥ सूनमनुसूचिधम्मीमनुनाजयः
ष्टिगस्यस्मानदिघीयू॥ ॥ अ॥ जूरागीमहासूनयष्टिगवदूयू
रागाउर्वस्यनायति॥ ॥ मू॥ रागीदागास्यनायतिनायरागी
सर्वसैयलि॥ ॥ यू॥ यरुगकात्रीनाजमानीविचद्वदरागीप्रिय

रुगी॥ ॥३॥ नाज रुगी सुखसयलि जलि सा वरु धनज
धर्म्म॥ ॥४॥ ममुरु मानिजन रुयिब सुखयालि दीर्घायु रुगी
॥ ॥५॥ दिर्घायु रुगी रीदि तय चन्दय धनयालि॥ ॥६॥ यलि
तुड वाकन सुखयालि सन्मानवृद्धि॥ ॥७॥ मन्नि कक्षा सब वि
चक्रनज सकुलि रुगी॥ ॥८॥ नाज रुगी सुखी पूण बन नाजम
मि॥ ॥९॥ गुण बन धन धरु सात नावज सबन॥ ॥१०॥
जुस विमति न दृष्टा दिय विद्वत्॥ ॥११॥ ॥१२॥ जगि निरु न नील्ये

रुगी॥ ॥३॥ नाज रुगी ॥ सुखसयलि ॥ अहि सावद्रु धन अ
धर्मा॥ ॥४॥ ॥ मम सुख मानि जन रुयिब सुखयाहि दीर्घायु रुगी
॥ ॥५॥ ॥ दीर्घायु रुगी ॥ यदि तय चन्दय धनयाहि ॥ ॥६॥ ॥ यष्टि
तुड वाक न सुखयाहि सन्मान वृद्धि ॥ ॥७॥ ॥ भान्ति कथा सब वि
चक्षु न ज सकलि रुगी ॥ ॥८॥ ॥ नाज रुगी ॥ सुखी पूण बन नाज म
मि ॥ ॥९॥ ॥ गुण बन धन धरु खरु सात ना वज सब न ॥ ॥१०॥ ॥ गूणि
असा विभति न दृष्टा दिय विद्धा ॥ ॥११॥ ॥ ॥ अग्नि निरुचनी ॥

व. कृ. हि. का. या. द. म्य. व. च. न. त. नृ. ग. न. के. द. उ. म्य. व. ना. नि. वि. वि. न. न.
॥ १ ॥ कृ. हि. का. या. मु. था. या. दा. भा. हि. नि. मृ. ग. नि. ना. द. के. गु. क. द. गु. मि. ः
नि. ग्ध. या. वृ. ष. ना. नि. वि. वि. न. न. ॥ २ ॥ मृ. ग. नि. ना. द. मा. दा. म्य. व. था. या. दा. ः
यून. व. गु. वृ. ध. द. गु. मि. ति. रु. या. मि. धू. ना. ना. नि. वि. वि. न. न. ॥ ३ ॥ यून. व.
म्य. या. द. के. यू. ष. ग. ल्य. के. स. मी. वि. नं. च. न्य. द. गु. मि. ति. रु. या. क. के. ना. ना.
नि. उ. धू. न. ॥ ४ ॥ म. घ. च. यू. र्व. ह. ल्य. न्या. उ. र्व. ना. या. द. म्य. व. च. सूर्य. द. गु. ः
मि. ति. रु. या. हि. र्व. सि. ना. सि. वि. वि. न. न. ॥ ५ ॥ उ. ग. या. या. दा. रु. स. चि. ग.

इम्यवचवृद्धद्वगुमितिह्रयाकन्यानामिविधिन॥७॥चित्रा
नथास्वामिविश्वरवायायादगुर्यंशुक्रयैद्वगुमितिह्रयागुनाः
मिविधियन॥८॥विश्वरवायायदम्यकंचाञ्जुननाडाश्चसूमेव
चक्रुजद्वगुमितिह्रयाविश्वनामिउच्यन॥९॥मूर्धनचपूर्वायाउच
उरुनायादम्यवचजिवद्वगुमितिह्रयाधनूनामिविधियन॥१०॥
उगायागुयायादाश्रवणधन्यस्माधर्कः (श्रवण)द्वगुमितिह्रयासक
लनामिविधिन॥१०॥धन्यस्माधंचसगरिमायापूर्वरुद्रस्याद

[illegible]

गुक् बाल॥ भनि शल बाल॥ उरु न बान्य हिद॥ ॐ॥ यनियदा॥
नवमि॥ पूर्व डान्यमन॥ द्विनिया॥ दभ मि॥ उगु वन्यमन ब॥ न
निया॥ नकोद मि॥ जग्नि कून वन्यमन ब॥ चगुद सि॥ द्वाद सि॥
ने॥ न कून वन्यमन बायच मि॥ गुथाद सि॥ दद्वि द वन्यमन ब
॥ षष्ठि॥ चगु था॥ यग्नि म डान्यमन ब॥ सफ मि॥ पूर्व माग्नि॥ वायु
कून वन्यमन ब॥ जग्मा वास्या॥ सफ मि॥ ॐ॥ सान कून वनमन ब
॥ धन दिग आग्नि नी था निव॥ ॐ॥ १॥ जग्नि नी न द्वाग्ना॥ जूनू ना धा॥

न द्रुग॥ मृगगिजान द्रुग॥ मूनन द्रुग॥ पूर्वनेसून द्रुग॥ यूष्यन
द्रुग॥ रुसून द्रुग॥ स्त्रुन द्रुग॥ धर्गनउरुनवन्यमरिदस्यया॥
युनियदा॥ रतिया॥ येचमी॥ सफमी॥ दभमी॥ नकादसि॥ एथाद
मि॥ धर्गगमनरिद॥ डानउरुनतिथिसिया॥ भवचद॥ सिद॥
धन॥ पूर्वप्रमूरवनचा निव॥ चदमा॥ वृषचंद॥ कन्या॥ मकला॥ द
क्षिप्रमूरवनचा निवस्ययचदमा॥ ॥ मिथूनचद॥ गुला॥ कूः
म॥ यम्बिमयमूरवनचा निवचदमा॥ ॥ मीनचंद॥ विष्णु॥ कर्क

ग॥ उरु नयमूरवनधानि वचदमा॥ ॥ धर्मे चन्द्र उवसरिद
वन्यरिद॥ निवन्यमरिद रववमरिद॥ ॥ ग्यनाने वन्यरुने
॥ ॥ आदित्य रुक्मा गुन्यय आगा वृक्ष अन्नाधा मनि प्रादिः
च स्वयन सोम रु गुनवति च सोमा अग्नि म् अमृत सिद्धिः
आगा॥ ॥ आदित्य वा न रुक्म नक्षत्रा॥ वृक्ष वा न अन्ना धन क्षत्र
॥ मनि म्ध वा न प्रादि निन क्षत्रा॥ स्वम वा न मृग जि नान क्षत्रा॥
गुक्त्र वा न प्रवति न क्षत्रा॥ अग्नि वा न अग्नि निन क्षत्रा॥ धर्मे वा

नक्षत्रचूनाकृष्णमृगसिद्धीजागहिद॥ ॥१८॥ नक्षत्रकै॥ नक्षत्र
दूर्यदूर्य२॥ ॥ नक्षत्रदूर्यदूर्य३॥ दूर्यदूर्यगनीचान४॥ ॥ नक्षत्रनिनि
३॥ निनिदूर्यगनीच५॥ ॥ नक्षत्रचानच६॥ चानचदूर्यगनीच७॥ ॥
॥ नक्षत्रयाचैयाच८॥ याचचदूर्यगनीच९॥ ॥ चूनाकृष्ण१०॥ चूनाकृष्ण
दूर्यगनीच११॥ ॥ साधनकासा१२॥ साधनकासा१३॥ साधनकासा१४॥ ॥
आधनकासा१५॥ आधनकासा१६॥ ॥ नक्षत्रकै१७॥ नक्षत्रकै१८॥
॥ नक्षत्रदूर्यगनीच१९॥ ॥ दूर्यगनीच२०॥ दूर्यगनीच२१॥

ॐ

२०॥ धूनिदूगच्छियाबल् ५१००॥ नवानस्यन्या॥ ॥ धनूकव॥
नवनच्छय॥ भरवसपू २१॥ वृखन्वसागलाभु
२१७२॥ ॥ मिथूनगिगुनाभाका॥ ३०३॥ कर्कटगिगुगमश्ववक्रि
३४३॥ ॥ सिंहन्ववाद्यदभाका३४२॥ ॥ कन्याग्रहुरुवनवक्रि
३३२॥ ॥ मयखसिंहधनूपूर्वविप्र॥ ॥ वृखकन्यामकनदक्षि
कनि॥ मिथूनकुम्हगुनायस्त्रिमवेग्य॥ कर्कटविच्छमिनउग
गुद॥ ॥

१ आदित्य ॥ ॥	१ चन्द्रमी ॥ जू ॥	जु गान ॥ ० ॥
३ स्नानचारु ॥ ॥	वसुचारु अचारु ॥	३ नञवन ॥
५ योगनास ॥ ॥	३ यूनचारु ॥ ॥	५ मफ्रना ॥
१० काजसिद्धि ॥ ॥	५ सीयति ॥	१० धनचारु ॥
११ मानशुरु ॥ ॥	५ मानराग ॥	११ रुमिचारु ॥
जूनागचिक्कारानि	१० सिद्धिचारु ॥	जू विधिधनदानि २
दू ४ खधननास २ ॥	११ यूगचारु ॥	नूयद्यातकनाजरुय १

श्रुविथागर॥
कुक्कू भागयिजा॥
वासमृत्तु८॥
मृत्तु (धवि) २॥
जृम्भिरुय १२॥

जृ॥ ॥ ॥
धनहानिरुय॥१॥
नगु भाग॥७॥
साकसेताय॥४॥
न्यगु भाग॥८॥
कुक्कू भाग॥२॥
माऊ रुय॥१२॥

भाप्रधानकज७
यूगहानि८॥ ॥
मानहानि १॥ ॥
भाप्रधाननि८॥ ॥
यन प्राय॥ २॥
यन वासरुय १२

१ वृद्ध ॥ ॥ ॥

१ वृद्ध

२ धनचारु ॥

१० भग्ननास ॥

७ धनचारु ॥

११ शुद्धदभ

८ यूगदिधनचारु ॥

९ स्नानचारु ॥ ॥

१ शुक्र ॥ ० ॥

१ वक्तुचारु ॥ ॥

२ काजसिद्धि ॥

२ धनचारु ॥

२० साहागवक्तु ॥

३० भग्ननास ॥ ॥

७ सुखसाहाग ॥

१ वृहस्पति ॥ ॥

१ वक्तुचारु ॥

२ काजसिद्धि ॥ ७

२ धनचारु ॥ ७

११ स्नानचारु धनादि

८ यूगचारु ॥ ० ॥

१ वृद्धिदिनविधा

ग १

जं धनहानि १॥

यनरुय ३॥

मुवा नीवाध ४॥

न ऊहानि ५॥

नगु भाग ६॥

हृष्ट १२

शुवभाहानि ॥ ॥

नारु ॥ ॥ ॥

२ माननारु ॥ ॥

११ मुवा नारु ॥ ॥

२ नागिहृष्ट ॥ ॥

१ मुनिमिति नदृष्ट

३ कनसयिदा ॥ ३ ॥

१२ सैनाय भग्न रुय १२

७ भागस्यायुव ७॥

४ भग्नयवस ४॥

१० धनहानी १०॥

८ हानी ८॥

१ मनिश्चन ॥ ॥

१ मीया कर्म ॥

३ सुष सुष ॥

११ गग नारु ॥

१ वृष ह ~~वृष~~ नयुथं

२ धन नास ॥ ॥

७ सहि न विथाग ॥

४ ना ना द ४ ख ॥

१ नाद्रु या ॥ ॥

१ यूग नारु ॥

३ न ज व न

११ स्नान नारु ॥

८ नारु नाग नास ॥

१ विषम जान रुयू

७ चित वा कून ॥

१ कुरु ॥ ॥

१ न ज व न

३ यी ति नारु ॥

११ वन नारु ॥

१ सा क र्सी नाय ॥

२ धन हा नि ॥

४ कार्य नास ॥

१ येषां ॥

६ दृष्टता विआग ॥

२ मूनीमिति नदृष्ट

१० दामिद्र्यस्यैव

१ मृत्पुननास ॥

२ मृत्पुननास ॥ ० ॥

१२ यवा मरुय ॥

४ यूगलानि ॥

१० मानलानि ॥

१ मृत्पुननास ॥

२ वियतिके सधनु ॥

७ नायशूय ॥

१ न्यतफन ॥

६ वनद्यानक ॥

२ साकसीनाय

१० धननास

१२ साकदा धनययूव

मृत्पुननास ॥ ॥

सोम	पूर्व	आग्नि	ह्रस्वान	पूर्व	आग्नि
विष्णु	मृगशिरा	विष्णु	अथ	मृगशिरा	विष्णु
उरु	१	दक्षिण	उरु	२	दक्षिण
मृग		मृग	मृग		मृग
वायु	परिप्लव	नक्षत्र	वायु	परिप्लव	नक्षत्र
उरु		मृग	विष्णु	मृग	मृग